भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.11.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 480 का उत्तर

ई-कॉमर्स पैकेटों का परिवहन

480. श्री धनुष एम. कुमारः
श्री रेबती त्रिपुराः
श्री जी. सेल्वमः
श्रीमती संध्या रायः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय रेलवे ने ई-कॉमर्स पैकेटों के अंतर-शहर परिवहन को अंजाम देने के लिए एक पायलट कार्यक्रम के लिए अमेजॅन इंडिया के साथ भागीदारी की है और यदि हां, तो इस उद्देश्य के लिए पहचाने गए मार्गों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इससे रेलवे द्वारा एकत्र की जाने वाली लक्षित राशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की ई-कॉमर्स पैकेटों के लिए ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ साझेदारी करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) इस वित्तीय वर्ष के दौरान रेलवे द्वारा माल वहन और यात्री किराए के माध्यम से अर्जित की जाने वाली लक्षित राशि का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) रेलवे द्वारा माल ढुलाई और यात्री किराया आय बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए अन्य कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (च) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

Sk

ई-कॉमर्स पैकेटों के परिवहन के संबंध में दिनांक 20.11.2019 को लोक सभा में श्री धनुष एम. कुमार, श्री रेबती त्रिपुरा, श्री जी. सेल्वम और श्रीमती संध्या राय के अतारांकित प्रश्न सं. 480 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): जी हां। ई-टेल कंपनियों के लिए रेलवे की पार्सल सेवा का उपयोग करने की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए एक पायलट परियोजना शुरू की गई, जिसके अंतर्गत अमेज़न इंडिया को 12314/12313 नई दिल्ली-सियालदह राजधानी एक्सप्रेस और 12952/12951 नई दिल्ली-मुंबई राजधानी एक्सप्रेस गाड़ियों में लदान/उतराई के लिए गार्ड की देख-रेख में एसएलआर/ब्रेक वैन में 2.5 टन लदान के लिए स्थान प्रदान किया गया है। पायलट परियोजना के परिणाम के आधार पर विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किए जाएंगे।

(घ): रेलवे द्वारा वित्त वर्ष (2019-20) के दौरान माल यातायात और यात्री यातायात के माध्यम से क्रमशः 1,43,000 करोड़ रु. और 56,000 करोड़ रु. की राशि अर्जित किए जाने का लक्ष्य है।

(ड.) और (च): भारतीय रेलवे अपने नेटवर्क पर यात्री यातायात के साथ-साथ माल यातायात और आमदनी में सुधार करने का निरंतर प्रयास कर रही है।

यात्री यातायात और आमदनी में सुधार के लिए की गई कुछ पहलें जैसेकि ऑन-बोर्ड क्षमता में वृद्धि, फ्लेक्सी किराया योजना के यौक्तिकीकरण, वैकल्पिक गाड़ी एकोमोडेशन विकल्प योजना का विस्तार, अतिरिक्त एकोमोडेशन प्रदान करने के लिए आरएसी बर्थ की संख्या में वृद्धि आदि हैं।

इसी प्रकार, माल यातायात व्यवसाय से आमदनी बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की गई हैं, जिसमें खाली प्रवाह दिशा में लदान किए गए यातायात के लिए लिबरलाइज्ड ऑटोमैटिक फ्रेट रिबेट योजना, प्रमुख माल यातायात ग्राहकों के साथ दीर्घ अवधि टैरिफ ठेका (एलटीटीसी), स्टेशन से स्टेशन दरें (एसटीएस), बड़ी संख्या में वस्तुओं का पुन:निर्धारण करना ताकि उन्हें एफएके दरों आदि के तहत लाया जा सके।

Sk

इसके अलावा, भारतीय रेलवे के माल भाड़े के निष्पादन को बढ़ाने के लिए, मालगाड़ी के एक्सल भार और लंबाई को बढ़ाने, व्यापक कम्प्यूटरीकरण का उपयोग, उच्च क्षमता वाले वैगनों और इंजनों की तैनाती, रेलपथ और सिगनलों में सुधार करना आदि जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।

*****

Sk